C

CCE PF
CCE PR
REVISED

ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರೌಢ ಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷಾ ಮಂಡಳಿ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು – 560 003

KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD, MALLESWARAM, BANGALORE – 560 003

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪರೀಕ್ಷೆ, ಮಾರ್ಚ್ / ಏಪ್ರಿಲ್, 2019

S. S. L. C. EXAMINATION, MARCH / APRIL, 2019

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ದಿನಾಂಕ : 21. 03. 2019] ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H**

Date : 21. 03. 2019] **CODE NO. : 06-H**

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

(ಹೊಸ ಪಠ್ಯಕ್ರಮ / New Syllabus)

(ಖಾಸಗಿ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ & ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಖಾಸಗಿ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / Private Fresh & Private Repeater)

[ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : 125

[Max. Marks : 125

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	विभाग - "A"	
	गद्य, पद्य, पूरक अध्ययन	
I.	**एक-एक** पूर्ण वाक्य में उत्तर लिखिए :	16 × 1 = 16
1.	महात्मा गाँधीजी ने सत्याग्रह आश्रम की नींव कहाँ रखी ?	
	उत्तर : महात्मा गाँधीजी ने साबरमती नदी के किनारे 'सत्याग्रह' आश्रम की नींव रखी ।	1
2.	दिलावरखाँ और रहमानबेग को पुरुषोत्तम कहाँ बिठाते हैं ?	
	उत्तर : दिलावरखाँ और रहमानबेग को पुरुषोत्तम बिछावन पर बिठाते हैं ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
3.	रुपए की झनझनाहट में क्या है ? **उत्तर :** रुपए की झनझनाहट में अलौकिक मधुरिमा है ।	1
4.	राष्ट्रपति ने विदेशी विद्वान को क्यों बुलाया ? **उत्तर :** राष्ट्रपति ने अपने देश में शिक्षा के प्रचार पर विचार करने के लिए विदेशी विद्वान को बुलाया ।	1
5.	सिपाही ने सरायवाले को चवन्नी क्यों दी ? **उत्तर :** सिपाही ने सरायवाले को चवन्नी इसलिए दी ताकि वह अपने बाल-बच्चों को जलेबी खिला सके / घोड़े को सबेरे के लिए जीन कसकर तैयार रखे / अपना बड़प्पन दिखाने ।	1
6.	मन्नू भण्डारीजी बचपन में कैसी थीं ? **उत्तर :** मन्नू भण्डारीजी बचपन में दुबली और मरियल भी थीं ।	1
7.	सबके चलने पर पिछड़ा आदमी कहाँ रह जाता था ? **उत्तर :** सबके चलने पर पिछड़ा आदमी पीछे रह जाता था ।	1
8.	भ्रमर गुलाब के मूल में ही क्यों रुका रहता है ? **उत्तर :** भ्रमर को पूरा विश्वास है कि पुनः वसन्त ऋतु आएगी और गुलाब की डालों में पूर्ववत् रंगीन पुष्प और पत्ते खिलेंगे ।	1
9.	नेपोलियन किससे टकरा गया ? **उत्तर :** नेपोलियन अमरूद बेचनेवाली एक लड़की से टकराया ।	1
10.	जीवन में सफलता कैसे प्राप्त कर सकते हैं ? **उत्तर :** जीवन में आलस्य और भाग्यवादिता का दामन छुड़ाकर, कठिन परिश्रम करने से सफलता प्राप्त कर सकते हैं ।	1
11.	'जिन लोगों के पास आँखें हैं', वे सचमच बहुत कम देखते हैं ।' हेलन केलर को ऐसा क्यों लगता है ? **उत्तर :** इस दुनिया के अलग-अलग रंग मनुष्य की संवेदना को नहीं छूते/मनुष्य अपनी क्षमताओं की कभी कदर नहीं करता ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
12.	आइन्स्टाइन के अनुसार आनेवाली पीढ़ियों में किस बात का आश्चर्य होगा ?	
	उत्तर : ''उन्हें आश्चर्य होगा ऐसा विलक्षण व्यक्ति संदेह रूप में कभी पृथ्वी पर रहता था ।'' यह गाँधीजी के बारे में उनका कथन था ।	1
13.	'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के लेखक का नाम क्या है ?	
	उत्तर : 'एक कुत्ता और एक मैना' पाठ के लेखक का नाम 'हजारी प्रसाद द्विवेदी' है।	1
14.	रहीम के अनुसार शरीर पर नियंत्रण कैसे रख सकते हैं ?	
	उत्तर : यदि मन पर नियंत्रण हो तो शरीर भी नियंत्रण में रहेगा क्योंकि शरीर मन का अनुसरण करता है ।	1
15.	नेपोलियन और उसकी बहन के चरित्र में क्या अन्तर था ?	
	उत्तर : नेपोलियन में अपनी गलती को स्वीकार कर लेने का गुण था पर उसकी बहन में यह गुण नहीं था ।	1
16.	सुख प्राप्ति का सहायक कौन है ?	
	उत्तर : सुख प्राप्ति का सहायक दुःख है ।	1
II.	**दो-तीन** वाक्यों में उत्तर लिखिए :	16 × 2 = 32
17.	एशिया के एक प्रसिद्ध जीवन शास्त्री जिन्दगी के बारे में क्या कहते हैं ?	
	उत्तर : जिन्दगी संघर्ष से भरी हुई है । एक के बाद एक खींचतान लगी ही रहती है और चैन नहीं मिल पाता, इसलिए जीवन को गुदगुदानेवाले और खींचतान की तेज़ी को भुला देनेवाले क्षण बहुत कीमती हैं ।	2
18.	लोकगीतों के भाषा और भाव के बारे में लिखिए ।	
	उत्तर : सभी लोकगीत गाँवों और इलाकों की बोलियों में गाए जाते हैं । इसी कारण ये बड़े आह्लादकर और आनन्ददायक होते हैं । राग तो आकर्षक होते ही हैं, समझी जा सकनेवाली भाषा भी इनकी सफलता का कारण है ।	2
19.	लेखक नगेन्द्र भट्टाचार्य ने ग्राम्य जीवन का वर्णन कैसे किया है ?	
	उत्तर : गाँवों में लकड़ी के छोटे-छोटे घर, चारों ओर फल-सब्जियों के बाग । घरों के पास गाय, घोड़े, मुर्गी आदि घूम रहे थे । सिर पर कपड़ा बाँधे और गाउन पहने स्वस्थ रूसी युवतियाँ घर के काम-काज करती दिखाई दे रही थीं ।	2
20.	कठियावाड़ तथा भारत की जनता गाँधीजी की ओर क्यों आकृष्ट हुई ?	
	उत्तर : वीरमगाम में जकात के सम्बन्ध में जनता बड़ी दुखी थी । गाँधीजी ने उनका दुःख वायसराय के सामने रखा । वायसराय ने इन शिकायतों पर उचित ध्यान दिया । इससे कठियावाड़ तथा भारत की जनता गाँधीजी की ओर आकृष्ट हुई ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
21.	कोलकत्ता के आश्रम में कुत्ते ने कैसा बर्ताव किया था ? **उत्तर :** जब गुरुदेव का चिताभस्म कलकत्ते से आश्रम में लाया गया, तो कुत्ता आश्रम के द्वार तक आया और चिताभस्म के साथ अन्यान्य आश्रमवासियों के साथ शान्त गंभीर भाव से उत्तरायण तक गया । चिताभस्म के कलश के पास थोड़ी देर चुपचाप बैठा रहा ।	2
22.	अनदेखे अरूप ने प्यार को कैसे वापस लौटाने की बात कही ? **उत्तर :** अनदेखे अरूप ने कवि से थोड़ा प्यार उधार मांगा और कहा कि वह उसे सौ गुने सूद के साथ, सौ-सौ बार गिनकर लौटाएगा ।	2
23.	जग का नवनिर्माण किस प्रकार करें ? **उत्तर :** कवि बालकृष्ण 'नवीन' दिल में उमंगें भरकर, नई तरंगें उछालकर, नूतन प्राण भरते हुए, हर तरफ फैले सड़न के कीटाणुओं को मिटाकर, नए भेषज का निर्माण कर, जग के नवनिर्माण करने की बात कहते हैं ।	2
24.	अफ्रीकावासी बेडेन पॉवेल को 'इम्पासी' कहकर क्यों पुकारते थे ? **उत्तर :** इम्पासी का अर्थ होता है, कभी न सोनेवाला भेड़िया । जासूसी कला में पॉवल की निपुणता को देखकर अफ्रीकी लोगों ने उनको यह नाम दिया था ।	2
25.	'मन चंगा तो कठौती में गंगा' इस कहावत का विवरण दीजिए । **उत्तर :** यदि मन शुद्ध है और भक्तिभाव सच्चा है तो भगवान का साक्षात्कार कहीं भी हो सकता है । रैदास की भक्ति से ही यह कहावत प्रचलित है ।	2
26.	मैना दम्पति नाच-गान क्यों करते थे ? **उत्तर :** जब पत्नी कोई तिनका ले आती और पति देवता कोई कागज का या गोबर का टुकड़ा लेकर उपस्थित होता तो दोनों दम्पति खुशी के मारे नाच-गान करते थे ।	2
27.	पुराने रूसी साहित्य में लेखक नगेन्द्र भट्टाचार्य ने क्या पढ़ा था ? **उत्तर :** रूस में भी जनता की दुर्दशा हमारे देश से कम न थी । इस सदी में रूस को दो महायुद्धों का सामना करना पड़ा । फिर भी उसने पिछली दुर्दशा और महायुद्धों से हुए विनाश को धो-पोंछकर बिल्कुल साफ कर दिया है ।	2
28.	पहाड़ी लोकगीतों के बारे में लिखिए । **उत्तर :** पहाड़ियों के अपने-अपने गीत होते हैं । उनके अपने-अपने भिन्न रूप होते हुए भी अशास्त्रीय होने के कारण उनमें अपनी एक समान भूमि है । गढ़वाल, किन्नौर, कांगड़ा आदि के अपने-अपने गीत और उन्हें गाने की अपनी-अपनी विधियाँ हैं ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
29.	अपने पुरुषार्थ पर भरोसा रखनेवाले लोग क्या-क्या कर सके हैं ?	
	उत्तर : रेगिस्तानों में झील बना सके हैं । धरती की छाती चीरकर मनोवांछित फल प्राप्त कर सके हैं ।	2
30.	पिछड़ा आदमी और दूसरे लोगों के खाना खाने का ढंग कैसा था ?	
	उत्तर : पिछड़ा आदमी हर काम में पीछे रह जाता था, यहाँ तक खाना खाने में भी । जब सब खाने पर टूट पड़ते थे तो पिछड़ा आदमी टूंगता था / धीरे-धीरे थोड़ा-थोड़ा खाना खा लेता था ।	2
31.	मानव किन-किन का शिकार बना है ?	
	उत्तर : कवि बालकृष्ण शर्मा नवीन के अनुसार मानव सामाजिक गलित कुष्ठ, सड़न के कीटाणु, पूति-गन्ध, सड़े हृदय और सड़े मस्तिष्क, दोषारोपण, सामाजिक चौखट, सदियों के आडंबर आदि का शिकार बना है ।	2
32.	हमारा देश स्वर्ग के लिए ईर्ष्या-स्थान कैसे बना है ?	
	उत्तर : हमारे भारत देश की सुषमा मनमोहक है । हिमालय पर्वत आसमान का हमसाया है । सन्तरी है, पासबाँ है । इसकी गोदी में कई पवित्र नदियाँ बहती हैं । यहाँ तक कोई धर्म दुश्मनी का पाठ नहीं पढ़ाता । यहाँ विविधता में एकता है ।	2
III.	संदर्भ के साथ व्याख्या :	6 × 3 = 18
33.	''जनाब, अब भी शक की कोई गुंजाइश बाकी है ?''	
	i) पाठ का नाम :	
	ii) लेखक का नाम :	
	iii) व्याख्या :	
	उत्तर :	
	i) सच्चा धर्म	$\frac{1}{2}$
	ii) सेठ गोविन्द दास।	$\frac{1}{2}$
	iii) रहमानबेग ने दिलावरखाँ से कहा । दिलावरखाँ की शर्त का वर्णन । पुरुषोत्तम और संभाजी दोनों के एक ही थाली में भोजन करने की घटना का वर्णन ।	2
34.	''मर अभागे, तू मुझे और क्या-क्या दिखाएगा ?''	
	i) पाठ का नाम :	
	ii) लेखक का नाम :	
	iii) व्याख्या :	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर :	
	i) अपना-पराया	$\frac{1}{2}$
	ii) जैनेन्द्र	$\frac{1}{2}$
	iii) दुःखी और क्रोधित होकर स्त्री ने अपने बच्चे को डाँटते हुए कहा । स्त्री के अपने बच्चे के साथ सराय में आने के कारण का विवरण ।	2
35.	''ठाकुरजी बोलते नहीं, मैं बोलता हूँ, उनसे बड़ा हूँ ।''	
	i) पाठ का नाम :	
	ii) लेखक का नाम :	
	iii) व्याख्या :	
	उत्तर :	
	i) रुपया बोलता है	$\frac{1}{2}$
	ii) पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'	$\frac{1}{2}$
	iii) रुपये ने पाठकों से कहा । उसकी महानता का परिचय । ठाकुरजी से उसकी तुलना का वर्णन ।	2
36.	''गुरबत में हों हम, रहता है दिल वतन में ।''	
	i) कविता का नाम :	
	ii) कवि का नाम :	
	iii) व्याख्या :	
	उत्तर :	
	i) सारे जहाँ से अच्छा	$\frac{1}{2}$
	ii) इकबाल	$\frac{1}{2}$
	iii) भारत और भारतवासियों की खूबियों का वर्णन । स्वाभिमान, देशप्रेम का परिचय । चाहे भारतवासी दुनिया के किसी भी कोने में हों, मगर उनका दिल हमेशा भारत में ही रहता है ।	2
37.	''जीवन को गुदगुदाने वाले कुछ क्षण भी जीवन में महत्वपूर्ण हैं ।''	
	i) पाठ का नाम :	
	ii) लेखक का नाम :	
	iii) व्याख्या :	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर :	
	i) आनन्द के क्षण	$\frac{1}{2}$
	ii) श्री कन्हैयालाल मिश्र ।	$\frac{1}{2}$
	iii) चोट लगने पर भी रवीन्द्रजी के भाषण देने की घटना का वर्णन / पाठ में बताए किसी भी एक घटना का वर्णन ।	2
38.	सबसे उधार माँगा सबने दिया । यों मैं जिया और जीता हूँ, क्योंकि यही सब तो है जीवन । i) कविता का नाम : ii) कवि का नाम : iii) व्याख्या :	
	उत्तर :	
	i) सवेरे उठा तो धूप खिली थी	$\frac{1}{2}$
	ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'	$\frac{1}{2}$
	iii) कवि अज्ञेयजी प्राकृतिक सौन्दर्य से मंत्र मुग्ध होते हैं और प्राकृतिक तत्वों से उनकी विशेषताओं को उधार माँगते हैं । सब, कवि की इच्छा की पूर्ति करते हैं । इस बात का वर्णन ।	2
IV.	लेखक / कवि परिचय :	$2 \times 3 = 6$
39.	मन्नू भण्डारी : i) जन्म-काल : ii) कृतियाँ : iii) अन्य जानकारियाँ :	
	उत्तर :	
	i) 3 अप्रैल, सन् 1931 ई०, मध्य प्रदेश में मन्दसौर जिले के भानापुर गाँव में जन्म ।	$\frac{1}{2}$
	ii) एक प्लेट सैलाब, मैं हार गई, तीन निगाहों की एक तस्वीर, यही सच है, त्रिशंकु, नायक खलनायक विदूषक (कहानी संग्रह), आपका बंटी, महाबोज, स्वामी, एक इंच मुस्कान और कलवा, एक कहानी यह भी (उपन्यास), रजनी, निर्मला, स्वामी दर्पण (पटकथाएँ), बिना दीवारों का घर (नाटक) ।	1
	iii) बचपन का नाम महेन्द्र कुमारी । पिता सुख संपतराम भी जाने माने लेखक । मन्नू भण्डारी जी हिन्दी की सुप्रसिद्ध कहानीकार हैं ।	$1\frac{1}{2}$

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
40.	वृन्द : i) जन्म-काल : ii) कृतियाँ : iii) अन्य जानकारियाँ : **उत्तर :** i) सन् 1700 ई० में जोधपुर राज्य के मेड़ता नामक गाँव में जन्म । सन् 1780 ई० में मृत्यु । ii) वृन्द सतसई, अलंकार सतसई, भाव पंचाशिका, शृंगार शिक्षा, रूपक वचनिका, सत्य स्वरूप । iii) रचनाओं में सूक्तियों की प्रधानता । नीति सम्बन्धी दोहे बहुत ही लोकप्रिय, दोहे भावपूर्ण एवं हृदयग्राही होते हैं ।	 $\frac{1}{2}$ 1 $1\frac{1}{2}$
V.	पद्य भाग की पूर्ति :	$1 \times 4 = 4$
41.	जग में सुख .... गले लगाना । **अथवा** पैदा कर .... स्वजीवन सारा । **उत्तर :** जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है । वही जगाता है सद्‌गुण को, सद्‌गुण लाता सुख है । बाधा, विघ्न, विपत्ति, कठिनता जहाँ-जहाँ सुन पाना । सबके बोच निडर हो जाना दुख को गले लगाना । **अथवा** पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला-पोसा । किये हुए हैं वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा । उससे होना उऋण प्रथम है सत्कर्तव्य तुम्हारा । फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ।	 1 1 1 1 1 1 1 1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VI.	पद्य भाग का सारांश :	1 × 4 = 4
42.	मुरझाये फूल में सुगंधि कौन ढूँढ़ेगा ? बच्चे में कौन खोट देखेगा ? हे देव ! विश्वास को ठेस लगने पर फिर से सद्‌गुण कौन परखेगा ? हे प्रभु, जले पर कौन नमक छिड़केगा ? सुनो, हे चन्नमल्लिकार्जुन नदी पार करने के बाद मल्लाह को कौन पूछेगा ? **अथवा** भूख लगी तो गाँव में भिक्षान्न है, प्यास लगी तो तालाब-कुएँ हैं शीत से बचने को जीर्ण वस्त्र हैं सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरा आत्म-सखा तू ही है । **उत्तर :** अक्कमहादेवी के वचनों में निरर्थक जीवन पर प्रकाश । मुरझाए फूल में कभी कोई सुगन्ध नहीं ढूँढ़ता । बच्चे में सच्चाई है या बुराई है, देखने का प्रयास कोई नहीं करेगा । विश्वास में धक्का लगने के बाद, फिर से सद्‌गुण दिखाई देने पर कोई विश्वास नहीं करेगा । पहले से जो दुःखी है उसे और दुःखी करने का प्रयास कोई नहीं करेगा । नदी पार करने पर मल्लाह से क्या काम । यही आज की स्थिति है ।	4
	अथवा प्रभु के सामने कोई भी गरीब नहीं है । यदि भूख लगती है तो गाँव में अन्न देनेवाले हैं । प्यास लगती है तो तालाब और कुएँ हैं । ठण्ड से बचने के लिए फटे वस्त्र हैं । सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं । भगवान का संग ही जीवन का सौभाग्य है । उनके बिना किसी का कोई अस्तित्व ही नहीं है । प्रभु ही आत्म-सखा है ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VII.	**आठ-दस** वाक्यों में उत्तर :	3 × 4 = 12
43.	भ्रष्टाचार मिटाने के सिलसिले में साधु के उपाय का वर्णन कीजिए । **अथवा** विशेषज्ञों ने भ्रष्टाचार के बारे में क्या जानकारियाँ दीं ? स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** साधु के अनुसार भ्रष्टाचार और सदाचार मनुष्य की आत्मा में होता है बाहर से नहों । विधाता जब मनुष्य को बनाता है तब किसी की आत्मा में ईमान की कल फिट कर देता है और किसी की आत्मा में बेईमानी की । इस कल में से ईमान या बेईमानी के स्वर निकलते हैं जिन्हें आत्मा की पुकार कहते हैं । आत्मा की पुकार के अनुसार ही आदमी काम करता है । बेईमानी के स्वरां को दबाने के सिलसिले में साधु ने सदाचार का तावीज़ बनाया है। जिसकी भुजा पर वह बँधा होगा, वह सदाचारी हो जाएगा । जब आत्मा बेईमानी के स्वर निकालती है तो तावीज़ की शक्ति आत्मा का गला घोंट देती है और आदमी को उससे ईमान के स्वर सुनाई देते हैं जिन्हें आत्मा की पुकार समझकर वह सदाचार की ओर प्रेरित होता है ।	4
	अथवा दो महीनों तक छानबीन करके विशेषज्ञ दरबार में हाज़िर हुए और बताने लगे – भ्रष्टाचार हाथ की पकड़ में नहीं आता, वह स्थूल नहीं सूक्ष्म है । अगोचर है, पर सर्वत्र व्याप्त है, देखा नहीं जा सकता अनुभव किया जा सकता है । वह सबके लिए ईश्वर हो गया है । वह इस भवन मं भी है, महाराज के सिंहासन में भी है । पिछले महीने सिंहासन पर रंग करने के लिए जिस बिल का भुगतान किया गया, वह बिल झूठा है, दुगुने दाम का है । आधा पैसा बीचवाले खा गए । राजा के पूरे शासन में भ्रष्टाचार है, वह घूस के रूप में है । भ्रष्टाचार मिटाने के लिए व्यवस्था में बहुत परिवर्तन करने होंगे । भ्रष्टाचार के मौके मिटाने होंगे । किस कारण से आदमी घूस लेता है, यह भी विचारणीय है ।	4
44.	वेंकटरावजी के जीवन में नया मोड़ कैसे आया ? **अथवा** आलूर वेंकटराव ने नूतन विद्यालय की स्थापना किस उद्देश्य से की ? स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** वेंकटराव को अपने घर के कुलपुरोहित के साथ नववृन्दावन जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । कई स्थानों का दर्शन । जैसे तुंगभद्रा के तट पर स्थित माध्वयतियों की समाधियाँ, विजयनगर साम्राज्य की खण्डहर हम्पी, विद्यारण्य की तपोभूमि, भुवनेश्वरी का पुण्य तटाक, विरुपाक्ष मंदिर, उसका गोपुर, पंपानाथ तथा पंपांबिका की मूर्तियाँ आदि के दर्शन से वे बहुत पुलकित हुए । इस यात्रा से वेंकटराव का मन कन्नड और कन्नडवासियों की ओर झुका ।	4
	अथवा	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	वेंकटराव जी वकालत छोड़ने पर धारवाड़ में लग गए । राष्ट्रीय स्कूल खोलने के प्रयत्न में लग गए । मित्रों की सहानुभूति, जाने-माने व्यक्तियों से धन सहायता के फलस्वरूप 26-01-1909 के दिन धारवाड़ में कर्नाटक नूतन विद्यालय अस्तित्व में आया । छात्रों को स्वावलंबी, आत्मनिर्भर बनाना राष्ट्रीय शिक्षा का मुख्य उद्देश्य था । स्कूल के पाठ्यक्रम में लकड़ी का काम, मुद्रण, बुनाई, दियासलाई बनाना, पेन्सिल बनाना आदि सिखाना भी समाविष्ट था । वेंकटराव जी, इस स्कूल के गौरव सचिव थे, वेतन नहीं लेते थे ।	4
45.	जहाँगीरी अण्डे के बारे में अंग्रेज़ ने क्या वर्णन किया ? बताइए ।	
	अथवा	
	पं० बिलवासी ने एक साधारण लोटे को अकबरी लोटा बताकर अंग्रेज़ को उसे पाँच सौ रुपयों में खरीदने को कैसे मजबूर किया ? स्पष्ट कीजिए ।	
	उत्तर : मेजर डगलस अंग्रेज़ का पड़ोसी था । पुरानी चीजों के संग्रह करने में अंग्रेज़ और उनकी दौड़ रहती । गत वर्ष वे हिन्दुस्तान आए थे और यहाँ से जहाँगीरी अण्डा ले गए थे । एक कबूतर ने नूरजहाँ से जहाँगीर का प्रेम कराया था । जहाँगीर के पूछने पर कि उसके एक कबूतर को उसने कैसे उड़ जाने दिया । नूरजहाँ ने उसके दूसरे कबूतर को भी उड़ाकर बताया कि 'ऐसे', उसके भोलेपन पर जहाँगीर सौ जान से निछावर हो गया । उसी क्षण से उसने अपने को नूरजहाँ के हाथ कर दिया, कबूतर का एहसान भूल नहीं सका । उसके एक अण्डे को बड़े जतन से रख छोड़ा । वही अण्डा जहाँगीरी अण्डे के नाम से प्रसिद्ध हुआ ।	4
	अथवा	
	पं० बिलवासीजी ने अंग्रेज़ को यह बताया कि वह अकबरी लोटा है, पुराना है, ऐतिहासिक है । इस विवरण से अंग्रेज की आँखों पर लोभ और आश्चर्य का प्रभाव पड़ा । पंडितजी उस लोटे को खरीदने की कोशिश में पचास से ढाई सौ रुपए तक बोली लगाते हैं । पर अंग्रेज़ जो पहले से ऐतिहासिक चीज़ों के संग्रह करने का शौक रखते हैं, उस लोटे पर अपना हक जताते हुए यह कहते हैं कि लोटा उन्हीं के पैरों पर गिरा, उसने उन्हीं को स्नान कराया, उन्हीं के अँगूठे का भुरता किया । इसलिए वे ही उस लोटे को खरीदने के असली हकदार हैं । जब पं० बिलवासी जी ने झाऊलाल के आगे ढाई सौ रुपए फेंक दिए तो अंग्रेज़ ने तपाक से कह दिया कि वे उस लोटे की पाँच सौ तक देने को तैयार हैं ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	विभाग - "B" **व्याकरण, अलंकार, छन्द**	
VIII.	सही उत्तर चुनना :	10 × 1 = 10
46.	'बेटा' शब्द का पर्यायवाची शब्द है – (A) सुता (B) पुत्र (C) सखा (D) बच्ची । **उत्तर :** (B) पुत्र	1
47.	'गरीब' शब्द का विलोमार्थक शब्द है – (A) गरीबी (B) अमीरी (C) धन (D) अमीर । **उत्तर :** (D) अमीर	1
48.	'गायक' शब्द का अन्य लिंग रूप है – (A) गायिका (B) गायन (C) गायकी (D) गवैया । **उत्तर :** (A) गायिका	1
49.	निम्नलिखित शब्दों में प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया है – (A) खान (B) खिलवाना (C) खिलाना (D) खान-पान । **उत्तर :** (C) खिलाना	1
50.	'उत्सुक' शब्द का भाववाचक संज्ञा रूप है – (A) उत्साही (B) निरुत्साह (C) आसक्त (D) उत्सुकता । **उत्तर :** (D) उत्सुकता	1
51.	निम्नलिखित शब्दों में बहुवचन शब्द है – (A) कोशिश (B) शरारत (C) चेष्टाएँ (D) सिक्का । **उत्तर :** (C) चेष्टाएँ	1
52.	'मैंने पत्र लिखा' । इस वाक्य का वाच्य परिवर्तित रूप है – (A) मुझसे पत्र लिखा गया । (B) मुझसे पत्र लिखा जाता है । (C) मुझसे पत्र लिखा जाएगा । (D) मुझसे पत्र लिखा जा रहा है । **उत्तर :** (A) मुझसे पत्र लिखा गया ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
53.	निम्नलिखित वाक्यों में वर्तमान काल है – (A) कुत्ता धीरे-धीरे ऊपर आया (B) राम रावण को मारता है (C) मीरा पाठ पढ़ेगी (D) वरुण गाँव गया था । **उत्तर :** (B) राम रावण को मारता है ।	1
54.	गोपाल ईमानदार लड़का है । रेखांकित शब्द व्याकरण की दृष्टि से है – (A) क्रिया विशेषण (B) सर्वनाम (C) विशेषण (D) अव्यय । **उत्तर :** (C) विशेषण	1
55.	पेड़ ..... बन्दर बैठा है । रिक्त स्थान के लिए उचित कारक चिह्न है । (A) पर (B) से (C) में (D) को । **उत्तर :** (A) पर	1
IX.	तीसरे शब्द से संबंधित शब्द :	4 × 1 = 4
56.	राजकुमार : तत्पुरुष समास :: पंचवटी : ..... । **उत्तर :** द्विगु समास ।	1
57.	बेईमान : उपसर्ग :: पढ़ाई : ..... । **उत्तर :** प्रत्यय ।	1
58.	पर्वतावली : पर्वत + आवली :: पुरुषोत्तम : ..... । **उत्तर :** पुरुष + उत्तम ।	1
59.	जो अभिनय करती है : अभिनेत्री :: जो कविताएँ लिखता है : ..... । **उत्तर :** कवि ।	1
X.	छन्द पहचानिए :	3
60.	कस्तुरी कुण्डलि बसै, मृग ढूँढ़े बन माहि । ऐसे घटि-घटि राम है, दुनिया देखै नाहि । **उत्तर :** ऽ ऽ ऽ ऽ । । । ऽ । । ऽ ऽ । । ऽ । कस्तूरी कुण्डलि बसै, मृग ढूँढ़े बन माहि । ऽ ऽ । । । । ऽ । ऽ । । ऽ ऽ ऽ ऽ । ऐसे घटि घटि राम है, दुनिया देखै नाहि । i) इसमें दोहा छन्द है । ii) मात्रिक छन्द के अन्तर्गत आता है । iii) पहले और तीसरे चरणों में 13-13 मात्राएँ और दूसरे और चौथे चरणों में 11-11 मात्राएँ होती हैं । iv) दूसरे और चौथे चरणों में तुक होते हैं ।	1 1 1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XI.	अलंकार पहचानिए :	3
61.	वो सन्तरी हमारा ।	
	उत्तर : इसमें 'वो' अर्थात् हिमालय पर्वत को सन्तरी अर्थात् पहरेदार के रूप में देखा गया है ।	1
	उपमेय-वो (हिमालय)	
	उपमान-सन्तरी (पहरेदार)	
	उपमेय और उपमान में अभेद तुलना होने के कारण यहाँ रूपक अलंकार है ।	2
	विभाग – "C"	
	रचना	
	(वाक्य, पत्र लेखन, निबंध)	
XII.	अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग :	$2 \times 1\frac{1}{2} = 3$
62.	(a) ओझल हो जाना ।	
	(b) वार करना ।	
	उत्तर :	
	a. अर्थ : गायब हो जाना / अदृश्य हो जाना	$\frac{1}{2}$
	वाक्य : भक्त को आशीर्वाद देकर भगवान ओझल हो गए ।	1
	b. अर्थ : हमला करना / आक्रमण करना	$\frac{1}{2}$
	वाक्य : दुश्मनों ने किले पर कई वार किए ।	1
XIII.	पत्र लेखन :	$1 \times 5 = 5$
63.	अपनी बहन की शादी का कारण बताकर तीन दिनों की छुट्टी माँगते हुए कक्षाध्यापक के नाम एक पत्र लिखिए ।	
	अथवा	
	अपने जन्म दिन का निमंत्रण देते हुए मित्र के नाम एक पत्र लिखिए ।	
	उत्तर :	
	व्यावहारिक पत्र :	
	i) स्थान एवं तिथि : $\frac{1}{2}$	
	ii) प्रेषक/सेवा में : $\frac{1}{2}$	
	iii) सम्बोधन : 1	
	iv) पत्र का कलेवर : $2\frac{1}{2}$	
	v) समाप्ति : $\frac{1}{2}$	5
	अथवा	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर		अंक
	पारिवारिक पत्र :		
	i) पत्र लिखनेवाले का पता :	$\frac{1}{2}$	
	ii) सम्बोधन-अभिवादन :	1	
	iii) पत्र का कलेवर :	$2\frac{1}{2}$	
	iv) समाप्ति :	$\frac{1}{2}$	5
	v) पत्र पाने वाले का पता :	$\frac{1}{2}$	
XIV.	निबंध लेखन :		$1 \times 5 = 5$
64.	किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए :		
	i) हमारे राष्ट्रीय पर्व		
	ii) विज्ञान से हानि और लाभ		
	iii) मेरे प्रिय राष्ट्रीय नेता ।		
	उत्तर :		
	(i) भूमिका	1	
	(ii) विषय विश्लेषण	2	
	(iii) उपसंहार	1	
	(iv) भाषा और शैली ।	1	